सादर प्रकाशनार्थ,

द्वितीय प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की 9वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित

कोरबा–25.08.2016– प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की द्वितीय प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की 9वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रवज्जलन कर किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भ्राता एम.एस. कंवर कार्यपालक निदेशक डी.एस.पी.एम, छ.ग.रा.वि.उ.कं मं कोरबा ने कहा कि मेरा तो यह अनुभव है कि दादी जी को एक ऐसा दिव्य स्वरूप मिला है, जो उनको याद करने से एक दिव्य शक्ति का प्रकाश मिलता है और उस शक्ति के श्रोत से श्रेष्ठ कार्य करने की शक्ति मिलती है। आपने कहा कि दादी जी के जीवन से प्रेरणा लेकर दिव्य गुणों को विकसित कर देश के लिये प्रेरणा श्रोत बनें। भ्राता आर.पी.शिन्दे क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी कोरबा ने कहा कि यह एक अनोखा विश्व विद्यालय है जो कि आध्यात्मिकता की अलख जगाने के लिये प्रसिद्ध है, जहां सच्चे मानव बनने की शिक्षायें मिलती हैं, साथ में उसका अनुसरण भी करते हैं। दादी जी के जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि अपने से कम पद के लोगों को भी उतना ही सम्मान दे जितना कि आप बड़ों को देते हैं। भ्राता एस.एल.मण्डावी निरीक्षक अनुसूचित जाति एवं जनजाति विशेष थाना कोरबा ने कहा कि मानव जीवन एक विशेष उपहार आपको मिला हुआ है, लेकिन आज लोग रास्ते से भटके हुए हैं। मैं कोन हूँ? मेरे बहन भाई, बेटा–बेटी समाज ये सब अलग हैं, मेरा शरीर भी अलग है? ये सवाल मेरे मन में द्वन्द के रूप में चलते रहते हैं और इसी आशा को लेकर मैं यहां पहुंचा हूँ। मैं अपने जीवन में सात्विकता को प्रधानता देता हूं। मेरा यह मानना है कि उन लोगों का पाप में अधिक भागीदारी है, जो दूसरों को तामसिक खाना खाने की दावत देते हैं, जितना कि खाने वालों की नहीं। जनाब गुलाम मोहम्मद जिला अध्यक्ष यूथ इंटक कांग्रेस कोरबा ने कहा कि आज के इस महकमें में हम सभी को सब के दुःख सुख में साथ देने का संकल्प लेना चाहिए। आज मैं एक घंटे से आकर बैठा हूँ और विशेष शांति के वातावरण का अनुभव कर रहा हूँ। बहन डॉ. मनीषा सिंह पंचकर्म चिकित्सालय कोरबा ने कहा कि दादी जी इस धरा मंच पर प्रकाश पुन्ज के रूप में दैदिप्यमान होकर आईं और समस्त नारी शक्ति को सशक्त बनाया। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जब हम इस संस्थान में कदम रखते हैं, तो स्वयं के जीवन में एक दिव्यता का संचार हो जाता है, ऐसा अनुभव होता है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी ने कहा कि अभी तक हम सब गायन पूजन उस परमात्मा का करते आये हैं, लेकिन अब वह वक्त व मौसम आ गया है कि जब हम परमपिता, परमशिक्षक, साजन, सद्गुरू व खुदा दोस्त आदि संबधों की भासना वा सुख उससे ले सकते हैं। क्योंकि वे पिछले 80 वर्षों से इस धरा पर श्रीकृष्ण जैसा देवी गुणों वाला जीवन बनाने और स्वर्ग स्थापित करने का पुनीत कार्य कर रहें हैं। ब्रह्माकुमारी रचना बहन ने गहन शांति के लिये राजयोग का अभ्यास कराया। युवा हृदय सुनील निहलानी ने गीत की प्रस्तुति देकर सभा को भाव विभोर कर दिया। भ्राता एम.के.मिश्रा मुख्य प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया शाखा कोरबा ने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनायें दी। डॉ. के.सी. देबनाथ, एम.डी. अक्षय हास्पिटल कोरबा ने नियमित विद्यार्थी बनकर राजयोग की शिक्षा प्राप्त करने के एक वर्ष

पूर्ण होने पर सभी के साथ अपना अलौकिक जन्म दिवस उत्साह पूर्ण मनाया और दादी जी की प्रेरणाओं को जीवन में लाकर श्रेष्ठ बनने का संकल्प लिया। भ्राता शेखर राम ने मंच संचालन किया।

मानवीय सेवा में , ब्रह्माकुमारी रूकमणी